बिना कर राजस्व वृद्धि और निवेश भी बढ़ाएगा : प्रोफेसर काकानी

आईआईएम के डायरेक्टर बोले, पहले बजट में सभी के लिए कुछ ना कुछ

नवभारत ब्यूरो। रायपुर।

आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रोफेसर राम कुमार काकानी का कहना है कि प्रदेश में नवगठित भाजपा सरकार के पहले बजट में सभी के लिए कुछ न कुछ है। आज पेश बजट न केवल कमजोर वर्गों के लिए समावेशी है, बल्कि राज्य में अधिक निवेश का वादा भी करता है। इसमें योजनाओं के अच्छे वित्तीय प्रबंधन के तहत क्रियान्वयन का प्रावधान है। बजट ने संकेत दिया है कि सरकार को बिना किसी नए कर वृद्धि या बदलाव के 22% की राजस्व वृद्धि की उम्मीद है, जो उत्कृष्ट है क्योंकि यह कराधान के मामले में व्यवसायों के लिए अनिश्चितता को कम करता है। >> शेष पेज 9 पर

बिना कर राजस्व ...

पूंजी परिव्यय से रोजगार सृजन – पिछले साल केंद्रीय बजट में पूंजी परिव्यय के लिए बड़े पैमाने पर प्रावधान किया गया था और इसी तर्ज पर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के पहले राज्य बजट में 22,300 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो कुल बजट का 15 प्रतिशत है और औसत परिव्यय 12 से अधिक है। पूंजीगत व्यय परिसंपत्तियों के निर्माण द्वारा लंबे समय में राज्य के विकास को सुनिश्चित करने वाला एक महत्वपूर्ण माध्यम बन जाता है, जो बदले में न केवल विदेशी निवेश को बढ़ावा देता है, बल्कि परिसंपत्तियों के निर्माण की प्रक्रिया के परिणामस्वरूप रोजगार सृजन भी होगा। शुद्ध राजकोषीय घाटा राज्य जीएसडीपी का 2.9% अनुमानित है, जो एफआरबीएम अधिनियम में निर्धारित 3% सीमा के भीतर है - यह दर्शाता है कि व्यय की दृष्टि और परिव्यय राजकोषीय रूप से रिस्पांसिबल है।

इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ से विकास होगा तेज – बजट में एक प्रमुख घोषणा इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ कार्यक्रम के आयोजन के लिए 5 करोड़ रुपए के पैकेज की है, जो एक स्वागत योग्य कदम है, क्योंकि छत्तीसगढ़ संसाधनों से समृद्ध राज्य है।

Navbharat, 10th Feb. 2024